

फसल पोषण जरूरत (अपटेक) *(6.7 t/ha)	N kg	P kg	K kg	Fe g	Mn g	Zn g	Cu g
	56.3	13.5	65.8	724.9	116.9	110.3	26.2

- क्लोरीन संवेदनशीलता - कम
- चुनापथ्थर संवेदनशीलता - सामान्य
- निणर्यात्मक पोषकतत्त्व - पोटेश और गंधक

फसल को क्या देना चाहिए ?	खाद/हेक्टर (अनुसंधाननुसार)	खाद/एकड़ (अनुसंधाननुसार)	बेसल डोस (एकड़)(उपजनुसार)	शेष विभाजित डोस (एकड़)
	नत्र : फास्फोरस : पोटेश 100 : 50 : 50	N : P ₂ O ₅ : K ₂ O : S 40 : 20 : 20 : 20	N : P ₂ O ₅ : K ₂ O 20 : 30 : 30	N : P ₂ O ₅ : K ₂ O 20 : 0 : 0

मिट्टी में फास्फोरस कम उपलब्धता एवं पोटेश की फसल को ज्यादा जरूरत होने की कारणवश यह प्रि सीजन डोस बनाया गया है।

उपज और पोषकतत्त्व का गणितीय विचार

10 क्विंटल उपज के लिए - 23.3 कि. पोषकतत्त्व चाहिए।
1 किलो पोषकतत्त्व देने से 43.92 किलो लहसुन मिलेगा।

खाद के विकल्प (प्रति एकड़)

1	अथवा	2	अथवा	3	अथवा	4
(खाद किलो में) डीएपी - 65.40 युरिया - 18.0 म्युरेट ऑफ पोटेश - 50		(खाद किलो में) 12:32:16 - 93.5 युरिया - 18.90 म्युरेट ऑफ पोटेश - 25.5		(खाद किलो में) सिंगल सुपर फास्फेट - 187.5 युरिया - 43.5 म्युरेट ऑफ पोटेश - 50.0		(खाद किलो में) 10:26:26 - 115.50 युरिया - 18.50

सल्फर बेसल डोस के साथ • बुवाई के साथ 5-10 किलो सल्फर का इस्तेमाल - गोबर खाद ज्यादा तो सल्फर की जरूरत कम होगी।
शेष विभाजित डोस (एकड़) • बुवाई के 30 दिन बाद - 21.75 किलो युरिया • बुवाई के 45 दिन बाद - 21.75 किलो युरिया

अच्छे अंकुरण हेतु बीजोपचार



किंगफॉल ज़िंक 70 - 2 मिली प्रति किलो लहसून

ज़िंक
↓
इंडोल एसिटिक एसिड (IAA)
↓
जोरदार अंकुरण



किंगफॉल ज़िंक 70

• खाद को ज़िंक कोटींग करे •

किंगफॉल ज़िंक 70 - 100 मिली युरिया अथवा डिएपी 1 बोरी के लिए

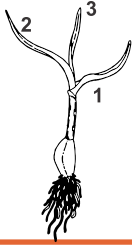
नत्रजन बह जाना समस्या की रोकथाम और नत्रजन पौधे को अधिक मात्रा में मोहय्या करने हेतु ज़िंक कोटींग अतिआवश्यक है।

मानसिंह सोंगारा 90096 50020
हेमंत राठौड़ 88890 72369
मनोज राठौड़ 81201 01849
सुरेश धाकड़ 77728 46537

कुंदन कुमावत 95890 66356
दशरथ पाटीदार 98931 23366
बन्सी पाटीदार 91797 89375
अजय धाकड़ 62658 82445

कन्हैयालाल 82692 77375
चंचल राठौड़ 97553 09840
दिपक उपाध्याय 78697 18346
विकास पाटीदार 91651 71595
आशिष कुमावत 91799 40086

नुस्सा 2



पत्तियाँ एवं जड़ों का विकास

10 - 25 दिन

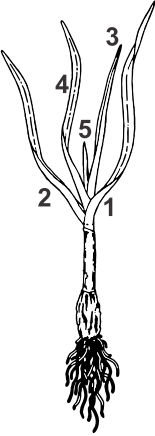
- ▶ ओमेक्स बायो 20 से जादा मात्रा में सफ़ेद जड़े मिलती है।
- ▶ बेहतर पत्तियाँ मिलती है।

छिड़काव - 2 मिली/लिटर पानी टपक सिचाई - 400 मिली प्रति एकड़



बायो 20

नुस्सा 3



पौधा बढ़ना (ग्रैंड ग्रोथ)

26 - 60 दिन

- ▶ फ़सल की भुख़ ज़ादा होती है।
- ▶ किन्तु डीएपी जैसे खाद के फास्फोरस पोषकतत्त्व जादा क्रियाशिल होने से पोषण में रूकावट आती है।
- ▶ उपाय - अल्बर्ट सोल्युशन सभी पोषकतत्त्वों से भरपूर है और सही मात्रा में पोषण देता है। फ़सल वृद्धि के मुख्य चरण (ग्रैंड ग्रोथ) में अल्बर्ट देना अतिआवश्यक है।
मात्रा : टपक सिचाई - 2 किलो प्रति एकड़ हफ्ते में एक बार।
- ▶ मायक्रोमैक्स माह में दो बार छिड़काव आवश्यक है। सभी सुक्ष्म पोषकतत्त्वों की परिपूर्ति।
मात्रा : छिड़काव - 1 मिली/लिटर पानी
टपक सिचाई - 250 मिली प्रति एकड़

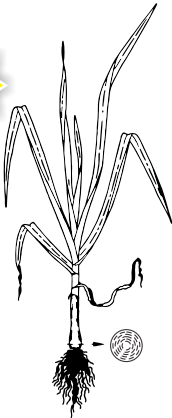


अल्बर्ट सोल्युशन



मायक्रोमैक्स

नुस्सा 4



कंद की बढ़ोतरी

61 - 90 दिन

- ▶ कैलमैक्स गोल्ड कंद की अंतर्गत कोशिकाएँ बढ़ाता है।
- ▶ कली का आकार बढ़ाता है।
- ▶ उपाय - 90 दिन के अंतराल से 2 बार छिड़काव करे।
छिड़काव - 2 मिली/लिटर पानी अथवा टपक सिचाई - 500 मिली प्रति एकड़
- ▶ डीपी 98 फास्फोरस की परिपूर्ति करता है।
मात्रा : छिड़काव - 2 मिली/लिटर पानी अथवा टपक सिचाई - 500 मिली प्रति एकड़



कैलमैक्स गोल्ड



डीपी 98

नुस्सा 5



पत्तियों का कस कंद में उतारना

91 - 120 दिन

- ▶ ओमेक्स सिक्वेन्शियल 2 का छिड़काव उत्पाद की क्वालिटी एवं वजन बढ़ाता है।
मात्रा : छिड़काव - 2 मिली/लिटर पानी अथवा टपक सिचाई - 400 मिली प्रति एकड़



सिक्वेन्शियल 2

ओमेक्स उत्पाद छिड़काव संबंधी विशेष जानकारी

- 1) सुबह दस बजे के पहले या शाम के समय छिड़काव करे। इस्तेमाल हेतु ओमेक्स उत्पाद का घोल बनाते वक्त बोतल अच्छे से हिलाकर उपयोग में लाना जरूरी है। छिड़काव करते समय शाखाओं और पत्तियों का पुरी तरह से भिगना जरूरी है।
- 2) जिक छिड़काव हेतु द्रावण बनाते समय जिक 10 केवल आधा मिली प्रति लिटर पानी, इसी मात्रा का प्रयोग करें। इससे जादा मात्रा में जिक 10 का इस्तेमाल ना करें।
- 3) ओमेक्स उत्पाद जादातर किटनाशक, फ़फ़ूंदनाशक एवं खाद के साथ इस्तेमाल किये जा सकते है। परंतु इस्तेमाल से पहले जार टेस्ट करना बहुत जरूरी है।

महत्वपूर्ण सूचना (Disclaimer)

हमारे उत्पाद का उपयोग हमारे नियंत्रण से बाहर है। इसलिए हम केवल उत्पाद की गुणवत्ता की गारंटी देते हैं। फसलों की बीमारियाँ, कीटों और जलवायु परिवर्तन के अनुसार, विशेषज्ञ की सलाह से कवकनाशी और कीटनाशकों का छिड़काव करें।